**भारत सरकार**

**कृषि मंत्रालय**

**कृषि एवं सहकारिता विभाग**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 167**

**6 दिसम्‍बर, 2013 को उत्‍तरार्थ**

**विषय : जैव-कृषि को बढ़ावा देना।**

**167. श्री आयनुर मंजूनाथा :**

**क्‍या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

(क) क्‍या रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के कारण कृषि भूमि की उर्वरता तथा उत्‍पादकता में कमी आई है; यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है;

(ख) क्‍या सरकार देश में जैव कृषि को बढ़ावा देने का विचार रखती है; यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है; और

(ग) इस प्रयोजन के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है तथा देश में जैव उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने में कृषि विश्‍वविद्यालय की क्‍या भूमिका है?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं खाद्य प्रसंस्‍करण उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री तारिक अनवर)**

1. रासायनिक उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग से भूमि की उर्वरता एवं उत्‍पादकता में कमी का कोई वैज्ञानिक साक्ष्‍य नहीं है। तथापि वर्षों तक कम जैविक पदार्थ मिलाकर उर्वरकों के अंधाधुंध एवं असंतुलित उपयोग से बहु पोषक तत्‍वों में कमी एवं मृदा स्‍वास्‍थ्‍य में गिरावट आ सकती है।
2. जी हां, सरकार राष्‍ट्रीय जैविक कृषि परियोजना (एनपीओएफ), राष्‍ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम), पूर्वोत्‍तर एवं हिमालयी राज्‍यों हेतु बागवानी मिशन (एचएमएनईएच), राष्‍ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) की जैविक कृषि से संबंधित नेटवर्क परियोजना जैसी स्‍कीमों के माध्‍यम से देश में जैविक कृषि को बढ़ावा दे रही है।
3. वर्ष 2013-14 के दौरान एनपीओएफ, एनएचएम, आरकेवीवाई एवं एचएमएनईएच के अंतर्गत आवंटित निधियां क्रमश: 427.00 लाख रुपए, 1215.50 लाख रुपए, 14,015 लाख रुपए एवं 1162.05 लाख रुपए हैं।

इसके अलावा कृषि पद्धति अनुसंधान परियोजना निदेशालय में अग्रणी केन्‍द्र के साथ जैविक कृषि नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत आईसीएआर, मोदीपुरम देश में विभिन्‍न कृषि-पारिस्‍थितिकी क्षेत्र में जैव कृषि के अंतर्गत विभिन्‍न फसलों एवं फसलन प्रणाली विकसित कर रही है। वर्तमान में 12 राज्‍यों में राज्‍य कृषि विश्‍वविद्यालयों (एसएयू) सहित 13 सहकारी केन्‍द्रों में यह परियोजना चल रही है। राज्‍य कृषि विश्‍वविद्यालयों सहित आईसीएआर संस्‍थान जैव उर्वरकों से संबंधित पहलुओं पर किसानों को शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं एवं फ्रन्‍ट लाइन प्रदर्शन (एफएलडी) का आयोजन करते हैं।

xxxxxxxx